THE ECONOMIC TIMES नई दिल्ली बुधवार 20 जनवरी 2016

गन्ने की पेराई पहले शुरू होने का मिला फायदा

गन्ने की कमी के बावजूद शुगर प्रॉडक्शन 6.8% बढ़ा

[जयश्री भोसले | पुणे]

गन्ने की कम उपलब्धता के बावजूद पिछले साल के मुकाबले इस साल 15 जनवरी तक भारत का शुगर आउटपुट 6.81 पर्सेंट बढ़कर 110.90 लाख टन रहा है। इसकी मुख्य वजह यह है कि इस बार गन्ने की पेराई पहले शुरू हो गई थी।

इंडियन शुगर मिल्स एसोसिएशन ने एक प्रेस रिलीज में बताया कि 2014-15 शुगर सीजन के मुकाबले कर्नाटक, उत्तर प्रदेश और महाराष्ट्र में शुगर प्रॉडक्शन क्रमशः 3.4 लाख टन, 2 लाख टन और 1 लाख टन बढ़ गया। एसोसिएशन ने कहा, 'पिछले सीजन के मुकाबले इस साल महाराष्ट्र में ज्यादातर चीनी मिलें जल्द बंद जाएंगी, इसकी मुख्य वजह गन्ने का कम प्रॉडक्शन है।'

एसोसिएशन ने कहा, 'उपलब्ध सूचना के मुताबिक भारत सरकार द्वारा तय किए गए 32 लाख टन के कोटे के मुकाबले चीनी मिलों ने 9 लाख टन चीनी के एक्सपोर्ट के लिए कॉन्ट्रैक्ट किया है। इसमें से करीब 7 लाख टन चीनी एक्सपोर्ट के लिए चीनी मिलों से निकल चुकी है।'

देश में प्राइवेट शुगर मिलों को रिप्रेजेंट करने वाली इंडस्ट्री बॉडी 22 जनवरी को सैटेलाइट इमेज के आधार पर शुगर प्रॉडक्शन का अपना रिवाइज्ड दूसरा एडवांस एस्टिमेट पेश कर सकती है। पिछले दो महीनों में एनसीडीईएक्स में शुगर फ्यूचर्स की कीमतों में करीब 500 रुपये प्रति क्विंटल की बढ़ोतरी दर्ज की गई है, क्योंकि इंडस्ट्री सूखे के कारण प्रॉडक्शन में गिरावट और एक्सपोर्ट्स के कारण सरप्लस स्टॉक्स घटने की उम्मीद कर रही है। शुगर मिलों को सितंबर 2016 तक 25 लाख टन और चीनी का एक्सपोर्ट करना है।

देश में सबसे ज्यादा शुगर प्रॉडक्शन करने वाले महाराष्ट्र ने करीब 415.9 लाख टन गन्ने की पेराई की है और राज्य की 168 चीनी मिलें पेराई ऑपरेशन में शामिल हैं। 15 जनवरी 2016 तक महाराष्ट्र ने 10.6 पर्सेंट की रिकवरी के साथ 44 लाख टन चीनी का प्रॉडक्शन किया है। महाराष्ट्र में पिछले साल 173 शुगर मिलें गन्ने की पेराई कर रही थीं और करीब 404.5 लाख टन गन्ने की पेराई हुई थी और 43 लाख टन शुगर का प्रॉडक्शन हुआ। चीनी के दूसरे बड़े उत्पादक राज्य उत्तर प्रदेश में मौजूदा सीजन के दौरान 116 चीनी मिलें ऑपरेशन में लगी हैं और उन्होंने 15 जनवरी तक 27.07 लाख टन चीनी का प्रॉडक्शन किया है। जबकि एक साल पहले 118 चीनी मिलें ऑपरेशन में लगी हुई थीं और उन्होंने 25 लाख टन शुगर का प्रॉडक्शन किया था।

कर्नाटक ने 21.12 लाख टन चीनी का प्रॉडक्शन किया है और 64 शुगर मिलें ऑपरेशन में लगी हुई हैं। वहीं, एक साल पहले राज्य की 64 चीनी मिलों ने 17.71 लाख टन चीनी का प्रॉडक्शन किया था। तमिलनाडु में 25 चीनी मिलें चालू हैं और उन्होंने 15 जनवरी तक 1.60 लाख टन चीनी का प्रॉडक्शन किया है।

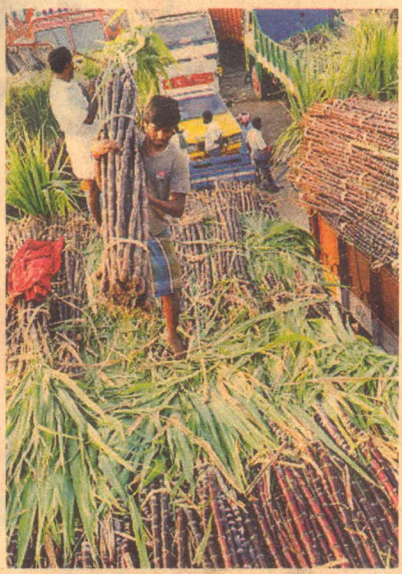

- **2014-15 शुगर** सीजन के मुकाबले कर्नाटक, उत्तर प्रदेश और महाराष्ट्र में शुगर प्रॉडक्शन क्रमशः 3.4 लाख टन, 2 लाख टन और 1 लाख टन बढ़ा है
- **15 जनवरी** 2016 तक महाराष्ट्र ने 10.6% की रिकवरी के साथ 44 लाख टन चीनी का प्रॉडक्शन किया है